इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 14 सितंबर, 2015 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन और हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रशासन श्री सुधीर बुड़ाकोटी तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे। कुलपति महोदय ने सर्वप्रथम सबको हिंदी दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हम सबको जोड़ने वाली भाषा है जो सहज और सशक्त है। यह भाषा विदेशों में भी लोकप्रिय है। आज भी हम अंग्रेजी को अपना अवश्य रहे हैं लेकिन हम सोचते हिंदी में ही हैं और उसे सहजता से व्यक्त कर सकते हैं। कुलपति महोदय ने कहा कि राजभाषा प्रकोष्ठ राजभाषा की गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है और उन्होंने अपील की कि जहां तक संभव हो हिंदी का प्रयोग करें। कुलपति महोदय ने बताया कि हिंदी में काम करने से न तो हमारा कोई नुकसान होता है और न ही किसी से पीछे रहते हैं। मैनेजमेंट का प्रोफेसर होते हुए भी उन्होंने अपनी पहली पुस्तक हिंदी में लिखी थी और केवल इस कारण से जीवन में कभी भी पीछे नहीं देखना पड़ा तथा हिंदी भाषा कभी उनके रास्ते का रोड़ा नहीं बनी। इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि हम हिंदी का प्रयोग करेंगे तो पिछड़ जाएंगे। हिंदी को भारत के संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया है इसलिए इसका सम्मान हमारा नैतिक दायित्व है।

समकुलपति महोदया ने कहा कि हर राष्ट्र की एक अपनी भाषा होनी चाहिए। हिंदी हमारे राष्ट्र का प्रतिबिम्ब बने ऐसा प्रयास हमारे राष्ट्रनेताओं ने किया। महात्मा गांधी इसके सबसे बड़े पक्षधर थे। उन्होंने कहा कि अन्य राष्ट्रों ने भी अपनी भाषा में विकास किया है। अमरीका की अंग्रेजी ब्रिटिश अंग्रेजी से बिल्कुल अलग है। उन्होंने अपने ढंग से इस भाषा का विकास किया है। भारत में इस भाषा के विकास में कोई अवरोध नहीं है। पूरे देश में यह समझी और बोली जाती है। यह हमारी पूर्ण स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसलिए हमें यह धारणा बनानी चाहिए कि हम अपने दैनंदिन के कार्यों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएंगे और इस विषय में अभिनव प्रयोग के बारे में विचार करेंगे। कुलसचिव प्रशासन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी को सभी अन्य भारतीय भाषाओं को लेकर आगे बढ़ाना है। भाषा हमारी संस्कृति से जुड़ी होती है। हमारी संस्कृति देश के हर कोने में एक जैसी ही है इसलिए हिंदी पूरे देश की संस्कृति का प्रतीक है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग हिंदी के विकास के लिए अनेक योजनाएं बना रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण योजना द्वारा आरंभ की गई नई कक्षा पारंगत आरंभ की गई है जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं। उप-कुलसचिव(राजभाषा) ने सूचना दी कि हिंदी पखवाड़े के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है एवं अधिकारियों के लिए दो अर्द्ध दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा।

(डॉ. ज्योति उपाध्याय)
उप कुलसचिव, राजभाषा